प्रेस नोट

2018-19 की प्रथम तिमाही
(अप्रैल- जून) के
सकल घरेलू उत्पाद
अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
भारत सरकार

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2018 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

दिनांक 31 अगस्त, 2018
09 भाद्रपद, 1940 शक

प्रेस नोट

2018-19 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के सकल घरेलू उत्पाद अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) (क्यू 1) के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों तथा वर्तमान मूल्यों, दोनों पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान और साथ ही जीडीपी के व्यय घटकों के तदनुरूपी तिमाही अनुमान जारी किए हैं ।

2. वर्ष 2018-19 की क्यू 1 के लिए जीडीपी के अनुमानों का विवरण नीचे दिया गया है:

I आर्थिक कार्यकलापों के अनुसार जीवीए के अनुमान

(क) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर

3. 2018-19 की क्यू 1 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी 33.74 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि 2017-18 की क्यू 1 में जीडीपी 31.18 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी जो 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । वर्ष 2018-19 की क्यू 1 हेतु स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, बुनियादी मूल्य पर तिमाही जीवीए 31.63 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2017-18 में यह 29.29 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी, जो पिछले वर्ष की तद्नुरूपी तिमाही की तुलना में 8.0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है ।

4. 2017-18 की क्यू 1 की तुलना में वर्ष 2018-19 के क्यू 1 में जिन आर्थिक कार्यकलापों में 7 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है उनमें 'विनिर्माण', विद्युत, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य उपयोगी सेवाएं', निर्माण' तथा 'लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएं' हैं । इस अवधि के दौरान 'कृषि, वानिकी तथा मत्स्य', 'खनन तथा उत्खनन', व्यापार, होटल, परिवहन एंव संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएं तथा 'वित्तीय, रिएल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं' में वृद्धि दर क्रमश: 5.3 प्रतिशत, 0.1 प्रतिशत, 6.7 प्रतिशत, 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है ।

5. उद्योग विश्लेषण

प्रथम तिमाही अनुमान अप्रैल-जून 2018-19 की अवधि के लिए कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, बीएसई/एनएसई से सूचीबद्ध कम्पनियों के संक्षिप्त वित्तीय परिणामों, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी), लेखा महानियंत्रक (सीजीए) द्वारा रखे गए संघ सरकार के मासिक लेखा तथा भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक द्वारा (सीजीए) रखे गए राज्य सरकार के व्यय संबंधी लेखाओं से प्राप्त वर्ष 2017-18 की रबी मौसम के दौरान कृषि पैदावार पर आधारित हैं। 1 जुलाई 2017 से माल और सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत और कर संरचना में परिणामी परिवर्तन के साथ, जीडीपी संकलन के लिए उपयोग किए जाने वाले कुल कर राजस्व में गैर-जीएसटी राजस्व और जीएसटी राजस्व शामिल है। अप्रैल-जून 2018-19 की अवधि के दौरान रेलवे, सड़क, वायु और जल परिवहन इत्यादि, संचार, बैंकिंग और बीमा सहित परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों का प्रदर्शन अनुमानों को संकलित करते समय ध्यान में रखा गया है। बीएसई/एनएसई से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित अप्रैल-जून 2018-19 की दौरान कार्पोरेट सेक्टर के निष्पादन को भी ध्यान में रखा गया है । विगत वर्ष की समान तिमाही के कार्पोरेट सेक्टर के अनुमान को शामिल न करने की दृष्टि से कर्मचारियों के व्यय, कर से पूर्व लाभ तथा उचित मूल्य सूचकांकों के अनुसार अपस्फीति वाली सूचीबद्ध कम्पनियों के अवमूल्यन के आधार पर संकलित संकेतक में अनुमानित वृद्धि का प्रयोग किया गया है ।

कृषि, वानिकी और मछली पालन'

5.1 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' सेक्टर से वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2017-18 की क्यू 1 की 3.0 प्रतिशत की तुलना में 5.3 प्रतिशत तक बढ़ा। कृषि और सहकारिता विभाग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जिसे वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में कृषि के जीवीए के अनुमानों के संकलनार्थ प्रयोग किया गया है, कृषि वर्ष 2017-18 (जून 2018 में समाप्त) रबी के मौसम के दौरान चावल, गेहूं, मोटे अनाज तथा दालों के उत्पादन में क्रमश: 15.0 प्रतिशत, 1.2 प्रतिशत,15.6 प्रतिशत तथा 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई हैं । वाणिज्यिक फसलों में, तिलहनों के उत्पादन में वर्ष 2017-18 की रबी मौसम के दौरान 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' के क्षेत्र में फलों व सब्जियों सहित फसल का जीडीपी में हिस्सा लगभग 55.1 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के जीवीए का लगभग 44.9 प्रतिशत पशुधन उत्पाद, वानिकी और मछली पालन पर आधारित है जिसमें वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में लगभग 8.1 प्रतिशत से अधिक की संयुक्त वृद्धि दर्ज की गई है ।

खनन और उत्खनन

5.2 'खनन और उत्खनन' सेक्टर से वर्ष 2018-19 की क्यू 1 के लिए बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में हुई 1.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 0.1 प्रतिशत तक वृद्धि हुई । 'खनन' सेक्टर के मुख्य संकेतकों नामत: कोयला, अपरिष्कृत तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन तथा आईआईपी खनन में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में क्रमश: 13.2 प्रतिशत, (-)2.4 प्रतिशत,

0.1 प्रतिशत तथा 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई हैं जबकि वर्ष 2017-18 की पहली तिमाही में यह क्रमश: (-)4.4 प्रतिशत, 0.3 प्रतिशत, 4.0 प्रतिशत तथा 1.1 प्रतिशत रहा है ।

विनिर्माण

5.3 'विनिर्माण' सेक्टर में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 हेतु बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2017-18 की क्यू 1 के (-)1.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि रही । बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध कम्पनियों के उपलब्ध आंकड़ों से यथा-अनुमानित निजी कार्पोरेट सेक्टर वृद्धि (जिसकी विनिर्माण सेक्टर में लगभग 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी है) का अनुमान लगाया गया अर्ध कार्पोरेट तथा असंगठित खंड (जिसकी विनिर्माण के क्षेत्र में 20 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है) के अनुमान विनिर्माण के आईआईपी का उपयोग करके लगाया गया है । आईआईपी विनिर्माण में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 1.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाएं

5.4 'विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाओं' में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 हेतु बुनियादी मूल्यों पर तिमाही जीवीए वर्ष 2017-18 की क्यू 1 की 7.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 7.3 प्रतिशत तक वृद्धि हुई । इस सेक्टर के मुख्य संकेतक नामत: विद्युत की आईआईपी में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में 5.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

निर्माण

5.5 वर्ष 2018-19 में 'विनिर्माण' क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन, 2017-18 की क्यू 1 के 1.8 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में, 8.7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । निर्माण क्षेत्र के मुख्य संकेतकों नामत: सीमेंट का उत्पादन, तैयार स्टील की खपत तथा गैर-धातु खनिज के आईआईपी ने वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में क्रमश: (-)3.3 प्रतिशत, 7.6 प्रतिशत तथा (-)3.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में क्रमश: 14.2 प्रतिशत, 8.4 प्रतिशत तथा 10.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

व्यापार, होटल तथा परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं

5.6 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2017-18 की क्यू 1 के 8.4 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में 6.7 प्रतिशत वृद्धि हुई । व्यापार क्षेत्र में जीवीए अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त किए गए प्रमुख संकेतक बिक्री कर में वृद्धि है । जीएसटी की शुरूआत के साथ, बिक्री कर अब जीएसटी के अंतर्गत शामिल किया जाता है। अत: कुल बिक्री पर आधारित कुल बिक्री के तुलनात्मक प्राक्कलन का अनुमान लगाया गया है। प्राक्कलन की विधि 30 नवम्बर 2017 को जारी किए गए 2017-18 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर) के जीडीपी के अनुमानों के प्रेस नोट के

अनुलग्नक में दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार है। होटल तथा रेस्टोरेन्ट क्षेत्र के जीवीए मापने में उपयोग में लिए गए संकेतक इस क्षेत्र की निजी कॉरपोरेट वृद्धि है। अन्य सेवा क्षेत्रों में, प्रमुख समुद्री पत्तनों पर माल ढुलाई, नागर विमाननों द्वारा माल ढुलाई तथा नागर विमानन के माध्यम से यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि दर अप्रैल-जून 2018-19 के दौरान क्रमश: 4.0 प्रतिशत, 3.7 प्रतिशत और 17.1 रही। रेलवे क्षेत्र के संकेतक नामत: निवल टन किलोमीटर तथा पैसेन्जर किलोमीटर की 2018-19 के क्यू 1 के दौरान वृद्धि क्रमश: 8.2 प्रतिशत तथा 1.0 प्रतिशत रही।

वित्तीय, रीएल एस्टेट तथा व्यावसायिक सेवाएं

5.7 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2017-18 की क्यू 1 के 8.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2018-19 के क्यू 1 में 6.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है । इस उद्योग के प्रमुख घटक रीएल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं हैं, जिसका हिस्सा 74.6 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के प्रमुख संकेतक रिएल एस्टेट क्षेत्र हेतु कार्पोरेट क्षेत्र में तिमाही वृद्धि, व्यावसायिक सेवाएं और कम्प्यूटर संबंधित कार्यकलाप जिनके अनुमान सूचीबद्ध कंपनियों के उपलब्ध आंकड़ों से लगाए जाते हैं। इस क्षेत्र के अन्य संकेतक अर्थात कुल बैंक जमा तथा बैंक ऋण 2017-18 के दौरान क्रमश: 12.8 प्रतिशत तथा 8.2 प्रतिशत की तुलना में 6.8 प्रतिशत तथा 10.9 प्रतिशत वृद्धि देखी गई है ।

लोक प्रशासन तथा रक्षा एवं अन्य सेवाएं

5.8 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2017-18 की क्यू 1 में 13.5 प्रतिशत की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । इस क्षेत्र के प्रमुख संकेतक नामत: आर्थिक छूट को छोड़कर भारत सरकार का राजस्व व्यय निवल ब्याज भुगतान में 2017-18 के क्यू 1 के 19.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 के क्यू 1 के दौरान 14.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उत्पादों पर कर में वर्ष 2017-18 के क्यू 1 के 13.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में 23.5 प्रतिशत की वृद्धि रही।

(ख) वर्तमान मूल्यों पर

6. सकल घरेलू उत्पाद बुनियादी मूल्यों पर जीवीए उत्पादों पर निवल सब्सिडी के उपरांत कर जोड़कर प्राप्त किए जाते हैं । वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी 2017-18 की क्यू 1 के 38.97 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में 44.33 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है जो 13.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में वर्तमान मूल्यों पर बुनियादी मूल्यों पर जीवीए 41.02 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है जबकि वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में यह 36.34 लाख करोड़ रुपए था जो कि 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि दर निम्नलिखित है: 'कृषि, वानिकी तथा मत्स्यन' (7.0 प्रतिशत), 'खनन तथा उत्खनन' (18.0 प्रतिशत), 'विनिर्माण' (17.7 प्रतिशत), 'विद्युत, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य उपयोगी सेवाएं' (13.2 प्रतिशत), 'निर्माण' (13.8 प्रतिशत), 'व्यापार, होटल,

परिवहन तथा संचार' (11.7 प्रतिशत), 'वित्तीय, रियल एस्टेट तथा व्यावसायिक सेवाएं' (12.1 प्रतिशत) तथा 'लोक प्रशासन,रक्षा तथा अन्य सेवाएं' (15.4 प्रतिशत)।

(ग) अपस्फीती के तौर पर प्रयुक्त मूल्य सूचकांक

7. समूह - खाद्य वस्तुएं, खनिजों, विनिर्मित उत्पादों, विद्युत और अन्य सभी वस्तुओं के संबंध में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 क्रमश: (-)1.7 प्रतिशत, 6.1 प्रतिशत, 2.7 प्रतिशत, 0.7 प्रतिशत तथा 2.3 प्रतिशत की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 के दौरान क्रमश: 1.5 प्रतिशत, 15.8 प्रतिशत, 3.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत वृद्धि हुई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वर्ष 2017-18 की क्यू 1 की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 के दौरान 4.8 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है ।

II सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय का अनुमान

8. सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय के घटक, नामतः खपत, व्यय तथा पूंजी निर्माण सामान्यत: बाजार मूल्यों पर आंके जाते हैं । अतएव निम्नलिखित पैराग्राफों में प्रस्तुत समुच्चय बाजार मूल्यों के अनुसार हैं।

निजी अंतिम उपभोग व्यय

9. वर्तमान मूल्यों पर निजी अंतिम उपभोग व्यय 2017-18 की क्यू 1 में 22.76 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 में 25.90 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, पीएफसीई 2017-18 की क्यू 1 में 17.06 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 में 18.53 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्ष 2018-19 की क्यू 1 के दौरान वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर पीएफसीई की दरें वर्ष 2017-18 की क्यू 1 में क्रमश: 58.4 प्रतिशत तथा 54.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 के दौरान क्रमशः 58.4 प्रतिशत और 54.9 प्रतिशत अनुमानित है ।

सरकारी अंतिम उपभोग व्यय

10. वर्तमान मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 में सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) 4.91 करोड़ रुपए की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 में 5.53 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 में जीएफसीई 3.69 लाख करोड़ रु. की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में यह 3.97 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 के दौरान जीएफसीई की दरें क्रमश: 12.6 प्रतिशत तथा 11.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में यह दरें क्रमश: 12.5 प्रतिशत तथा 11.8 प्रतिशत अनुमानित है ।

सकल नियत पूंजी निर्माण

11. वर्तमान मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 में सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) 11.20 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2018-19 की क्यू 1 में यह 12.75 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 में जीएफसीएफ 9.68 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में यह 10.65 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2017-18 की क्यू 1 के दौरान जीएफसीएफ की दरें क्रमश: 28.7 प्रतिशत तथा 31.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2018-19 की क्यू 1 में यह दरें क्रमश: 28.8 प्रतिशत तथा 31.6 प्रतिशत अनुमानित है ।

12. 2016-17, 2017-18 तथा 2018-19 की क्यू 1 के लिए आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार और जीडीपी संबंधी व्यय के अनुसार आधार मूल्यों पर स्थिर (2011-12) मूल्य और वर्तमान मूल्यों के आधार पर जीवीए के अनुमान विवरणी 1 से 4 में दिए गए हैं ।

13. जुलाई-सितम्बर, 2018 (2018-19 की क्यू 2) के तिमाही जीडीपी अनुमान जारी करने की अगली तारीख 30.11.2018 होगी ।

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2018 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

विवरण 1: आधार मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2018-19

(2011-2012 मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन वर्धन			क्यू 1 में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव	
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**
1. कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	386986	398609	419747	3.0	5.3
2. खनन एवं उत्खनन	99129	100811	100954	1.7	0.1
3. निर्माण	510673	501599	569094	-1.8	13.5
4. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	62114	66537	71383	7.1	7.3
5. विनिर्माण	225077	229196	249103	1.8	8.7
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	517644	560913	598724	8.4	6.7
7. वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	659189	714789	761405	8.4	6.5
8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	314250	356731	392211	13.5	9.9
बुनियादी मूल्यों पर जीवीए	**2775063**	**2929185**	**3162622**	**5.6**	**8.0**

विवरण 2: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2018-19

(2011-2012 मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय			जीडीपी की दरें (%)	
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	1595219	1705974	1852663	54.7	54.9
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	313990	369303	397215	11.8	11.8
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	960255	968141	1065217	31.0	31.6
4. स्टॉक में परिवर्तन	22498	21840	23718	0.7	0.7
5. बहुमूल्य वस्तुएं	37008	82235	75650	2.6	2.2
6. निर्यात	603715	639145	720410	20.5	21.4
7. घटाएं: आयात	625621	741150	834103	23.8	24.7
8. विसंगतियां	46358	72929	73213	2.3	2.2
जीडीपी	**2953421**	**3118417**	**3373983**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)		**5.6**	**8.2**		

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2018 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।

विवरण 3: आधार मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2018-19

(वर्तमान मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल मूल्य वर्धन			क्यू 1 में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव	
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**
1. कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	563170	566713	606107	0.6	7.0
2. खनन एवं उत्खनन	83403	94696	111699	13.5	18.0
3. निर्माण	575041	579718	682421	0.8	17.7
4. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	90327	97388	110246	7.8	13.2
5. विनिर्माण	260680	271537	309052	4.2	13.8
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	602741	671076	749349	11.3	11.7
7. वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	767018	859451	963864	12.1	12.1
8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	421386	493286	569466	17.1	15.4
आधार मूल्यों पर जीवीए	**3363766**	**3633866**	**4102203**	**8.0**	**12.9**

विवरण 4: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2018-19

(वर्तमान मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-जून (क्यू 1)				
	(करोड़ रु.) क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय			जीडीपी की दरें (%)	
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	2082484	2276387	2589809	58.4	58.4
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	407970	490957	553398	12.6	12.5
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	1089771	1120067	1275225	28.7	28.8
4. स्टॉक में परिवर्तन	24726	24522	27470	0.6	0.6
5. बहुमूल्य वस्तुएं	40534	84431	71687	2.2	1.6
6. निर्यात	704192	760244	892035	19.5	20.1
7. *घटाएं:* आयात	757439	912714	1069029	23.4	24.1
8. विसंगतियां	6254	53504	92770	1.4	2.1
जीडीपी	**3598492**	**3897399**	**4433365**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)		**8.3**	**13.8**		

यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 31 अगस्त, 2018 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जाएगी ।